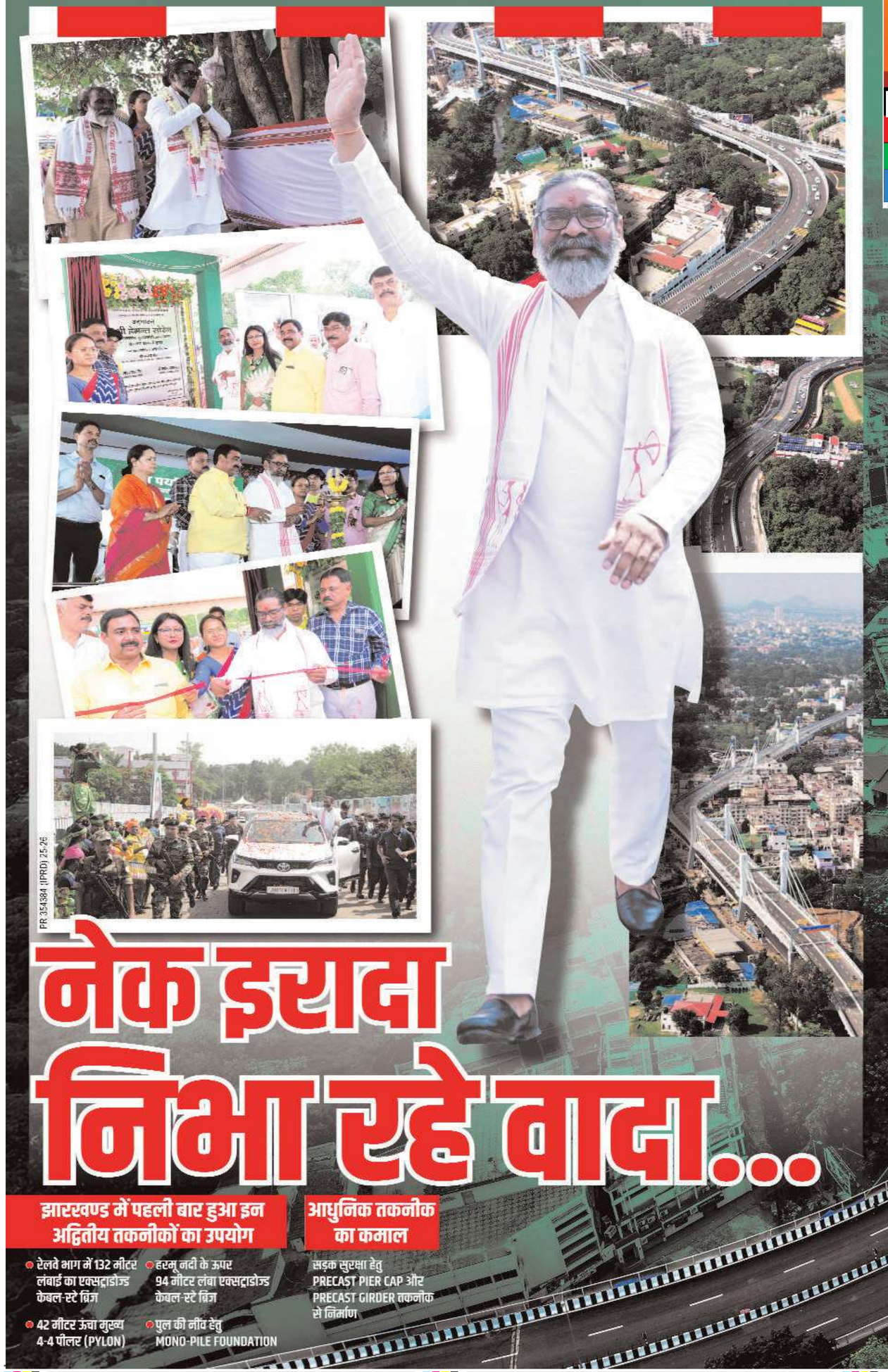

रांची, शुक्रवार, 6 जून 2025
संवत 2082, ज्येष्ठ शुक्ल-10 मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 272 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ सौ दिन चले ढाई कोस

माइंडसेट को बनाओ मजबूत,नतीजे होंगे शानदार : रकुल ◂◂ 6

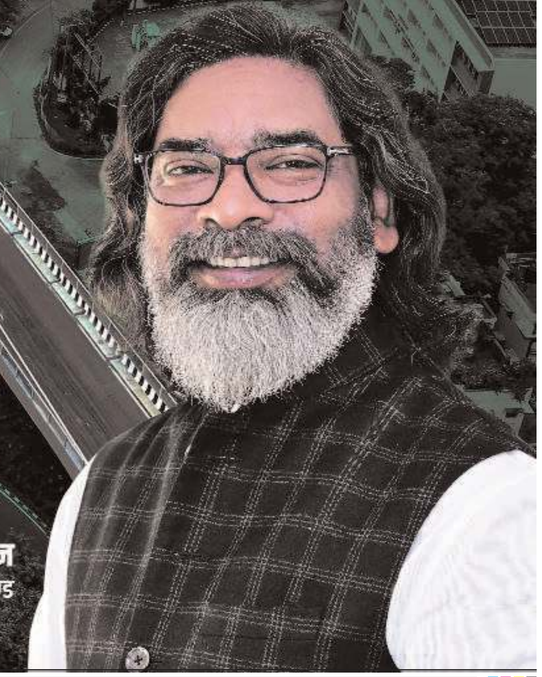

सत्य,तपस्या और त्याग की कुर्बानी है बकरीद

महबूब आलम

ईद उल अजहा हर साल कुर्बानी की याद दिलाता है। ईद उल अजहा को भारत मे बकरीद के नाम से भी जाना जाता है इस्लाम धर्म के अनुयायी इस मुबारक दिन पर अल्लाह के राह में पशुओं की कुर्बानी देते हैं ये एक खास दिन है जो तीन दिनों तक चलता है। जिसे कुर्बानी का दिन भी कहा जाता है ये त्योहार पूरी दुनिया में इस्लाम मजहब का दूसरा अहम त्योहार है। ईद उल-अजहा जो अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ कुर्बानी की ईद है। ईद रमजान के पवित्र महीना के समाप्ति के 70 दिनों बाद मनाया जाता है अरब में इसे ईद उल अजहा के नाम से जाना जाता है वहीं भारत में इसे बकरीद के नाम से जाना जाता है। बुनियादी तौर पर यह हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की सुन्नत है जो अपने पुत्र हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम की सत्य, तपस्या, त्याग और बलिदान की कहानी है। जिस पर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम हर कठिन परीक्षा में खरे उतरते हैं और बेटे इस्माइल अलैहिस्सलाम को कुर्बान करने के लिए जमीन में लिटा देते हैं हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कुबार्नी का नियम पूरी दुनिया के मुसलमानो पर लागू हुआ। तीन दिन सपने में पुत्र को अल्लाह की राह में कुबार्नी दिये जाने का हुकुम ईलाही एक सुन्नत बन कर दुनिया के मुसलमानो पर उभर आयी। हजरत इब्राहिम जो अपने बेटे से बहुत प्यार करते थे लेकिन अल्लाह के हुकुम के आगे वह बेटे को कुर्बान करने को तैयार हो जाते हैं। पैगंबर हजरत इब्राहिम की इस सुन्नत को जिंदा रखने के लिए दुनिया भर के मुसलमान इसकी याद में जानवरों की कुबार्नी करते हैं यह दास्तान सत्य, तपस्या, त्याग और बलिदान पर आधारित है जो दुनिया के प्रलय होने तक जारी रहेगा और दुनिया में जब तक मुसलमान है इस परंपरा को निभाते रहेंगे क्योंकि इस्लाम के तमाम सुन्नत हजरत इब्राहिम से जाकर जहै और हज जैसे पवित्र यात्रा खाना काबा जो अल्लाह का घर है में जाकर खत्म होती है जिसकी बुनियाद भी हजरत इब्राहिम के हाथो रखी गयी थी।आज भी अरब में वह स्थान 5000 साल से भी पुराना है

जिससे दुनिया के मुसलमान हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की सुन्नत पर अमल करते हैं कुर्बानी की दास्तान हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम के किये कृत्य को मुसलमानो की सुन्नत में शामिल किया है।

झारखंड में पर्यावरण और विकास का संगम

सीएम हेमंत सोरेन ने किया सिरमटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन

फ्लाईओवर का नाम दिवंगत कार्तिक उरांव के नाम पर रखा गया है

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सिरमटोली चौक से राजेंद्र चौक होते हुए मेकॉन गोलचक्कर तक बने आधुनिकतम तकनीक से निर्मित फोरलेन फ्लाईओवर/एलिवेटेड पथ सह आरओबी परियोजना का उद्घाटन किया। इस फ्लाईओवर का नाम दिवंगत कार्तिक उरांव जी के नाम पर रखा गया। इस परियोजना से राजधानी रांची में ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेशः सीएम ने रांची के वन भवन, डोरंडा में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सिरमटोली सरना स्थल में पूजा अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख समृद्धि और शांति की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों के सुव्यवस्थित विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। कई योजनाएं धरातल पर हैं और कई जल्द लागू होंगी। इस फ्लाईओवर के कारण यातायात व्यवस्था सुगम होगी, जिससे समय व ईंधन दोनों की बचत होगी।

सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर विकास कार्यः हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार राज्य के हर वर्ग, समुदाय और तबके के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लागू कर रही है। शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के लिए कई पहलें की जा रही हैं, जैसे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना। उन्होंने कहा कि किसी भी अन्य देश या राज्य की तुलना झारखंड से करना सही नहीं, लेकिन वहां की अच्छी व्यवस्थाओं को अपने प्रदेश की जरूरतों के अनुसार अपनाया जाएगा।

झारखंड की वीरों वीरांगनाओं को नमनः मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों वीरांगनाओं की धरती है। देश की आजादी और संविधान निर्माण में यहां के लोगों का बड़ा योगदान रहा है। ऐसे शहीदों को सम्मान देना जारी रहेगा। हेमंत सोरेन ने पर्यावरण पर हो रहे हमले को मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा बताया और कहा कि इसे बचाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

वनों को बढ़ाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का आह्वानः उन्होंने कहा कि पर्यावरण और जीवन का गहरा संबंध है। सभी को एक एक पेड़ लगाने की पहल करनी चाहिए ताकि पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव आए। झारखंड को हरियाली का प्रदेश बनाना प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। पर्यावरण के बिना विकास असंभव है। इसलिए संतुलित विकास की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।दृढ़ संकल्प और जागरूकता से पर्यावरण बचाना होगाः सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अलावा हर व्यक्ति का दृढ़ संकल्प पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जा रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए हमें प्लास्टिक मुक्त विकल्पों को अपनाना होगा। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार, संजय प्रसाद यादव, शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक अमित कुमार महतो, सुरेश बैठा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

जैक इंटरमीडिएट कला में शान प्रताप को राज्य में सातवां व कालेज में पहला स्थान

रांचीः जेवियर इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्र चुटिया निवासी शान प्रताप सिंह ने जैक 12वीं कला की परीक्षा में राज्य में सातवां स्थान एवं कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया।

संदिग्ध अवस्था में महिला की मौत,परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

चतराःसदर थाना क्षेत्र में कठौतिया गांव में एक महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने मामले को हत्या करार दिया है। मृतक की पहचान कठौतिया निवासी प्रमोद भुइंया की पत्नी सरिता देवी के रूप में हुई है। मृतक के पिता अर्जुन भुइंया ने इस मामले में एफआईआर के लिए सदर थाना को आवेदन दिया है। थाना को दिए आवेदन में अर्जुन भुइंया ने बताया है कि उसके दामाद प्रमोद भुइंया ने दो-दो शादियां की है। दूसरी शादी के बाद से उसका दामाद उसके बेटी के साथ लगातार मारपीट करता रहता था। इसी बीच गुरुवार की सुबह आसपास के लोगों से पता चला कि उसकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। जब वह अपने बेटी के घर पहुंचा तो उसका दामाद व उसकी दूसरी पत्नी फरार थी। इसके बाद उसने पुलिस को फोन किया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल लाया। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के पिता ने अपने दामाद व उसकी दूसरी पत्नी पर हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा पर हुए कई कार्यक्रम

चतराः जिले के सिमरिया प्रखंड क्षेत्र में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर निरंजना नदी के संरक्षण हेतु जन जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यकम अन्तर्गत श्रम दान (स्वच्छता कार्यकम)/ प्रभात फेरी, पौधरोपन, संकल्प आदि कार्यकम का आयोजन किया गया। उक्त मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज समेत कई पदाधिकारी, कर्मी, गणमान्य लोगों ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर बढ़ चढ़ कर भाग लिया। नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों, विद्यालयों समेत अन्य जगहों पर भी कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजनों को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।फल्गु नदी पौराणिक नदी है। ऐसे में इसका संरक्षण के लिए सभी की पहल जरूरी है। उन्होंने फल्गु नदी के तट पर कल्पतरु का पौधा भी लगाया।

वन नेशन, वन इलेक्शन से केंद्र के राजकोष की होगी बचतः सुनील सिंह

संवाददाता

रांचीः भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने एक देश-एक चुनाव कराने को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक देश, एक चुनाव कराने से केंद्र के राजकोष की बचत होगी। क्योंकि, हर 5 पांच साल में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव का भी आयोजन किया जाता है। वहीं, देश में हर साल अलग-अलग समय पर विधानसभा चुनाव होते हैं। इसकी जिम्मेदारी भारतीय निर्वाचन आयोग की होती है। जिससे चुनावी खर्च का बोझ देश पर पड़ता है। जो एक हीं समय पर चुनाव होने से राजकोष की बचत होगी। सुनील सिंह ने कहा कि चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाती है और यह परिणाम जारी होने तक लागू रहती है। ऐसे में इससे विकास परियोजनाओं में देरी होती है। एक देश, एक चुनाव होने पर ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान अक्सर जांच एजेंसियों द्वारा काले धन के उपयोग को लेकर आरोप लगाए जाते हैं। ऐसे में एक देश एक चुनाव होने पर इस तरह की घटनाओं पर रोक लगेगी। कहा कि चुनाव के समय देश भर में फोर्स से लेकर विभिन्न सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है इससे उनके सरकारी काम में भी व्यवधान होता है ऐसे में साल में एक ही बार इस तरह की आवश्यकता पड़ेगी। श्री सिंह ने विपक्षी कांग्रेस पार्टी के वन नेशन, नो इलेक्शन के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन आजाद भारत ' में शुरू से हीं लागू किया गया था, जो 15 साल तक चला था। शुरू के 1951- 52, 1957, 1962, और 1967 में चार-चार चुनाव एक साथ हुआ था, वो कैसे हुआ..? चुकी संविधान निमार्ताओं ने ये तय किया था कि देश के सारे चुनाव एक साथ होंगे, पर संविधान निर्माताओं ने ये अनुमान नहीं लगा पाया था कि कांग्रेस की सरकार ने 15-20 सालों में हीं अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल कर 1968- 69 में विधानसभा के सरकारों को गिरा देगी और तब यह सारा तंत्र बदल जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि 70 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने साल 1970 में लोकसभा भंग कर दी थी और तय समय सीमा से 15 महीने पहले 1971 में आम चुनाव करवा दिए थे। क्योंकि वे उस समय अल्पमत सरकार चला रही थीं, और वे पूर्ण सत्ता चाहती थीं। उनके इस फैसले ने राज्य विधानसभा चुनावों को आम चुनाव से अलग कर दिया। और इस व्यवस्था या परंपरा को खत्म कर धीरे-धीरे देश को हमेशा चुनावी मोड में रखने की बुनियाद तैयार की गई। उसी वन नेशन- वन इलेक्शन व्यवस्था या परंपरा को फिर से बहाल करने की जरूरत है। जो संविधान में संशोधन कर किया जा सकता है।

इंटरमीडिएट आर्टस में भी चतरा ने लहराया परचम

राज्य में 13वां स्थान, 96.40 प्रतिशत रहा रिजल्ट

छात्राओं ने दिखाया दबदबा, पिछले वर्ष की तुलना में दो प्रतिशत अधिक रहा परीक्षा परिणाम

चतराः इस वर्ष इंटरमीडिएट कला संकाय के परीक्षा परिणाम में चतरा जिले के छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य में 13वें पायदान पर रहा चतरा जिला। पूरे जिले का परीक्षा परिणाम 96.40 प्रतिशत रहा है। जिले के टॉप 10 विद्यार्थियों में से आठ छात्राएं शामिल है। जबकि छात्रों की संख्या मात्र दो है। चतरा जिले से इस वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा में 3429 छात्र एवं 5349 छात्राएं कुल 8778 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें 1149 छात्र व 2493 छात्राएं कुल 3642 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। इसी तरह 1951 छात्र व 2573 छात्राएं कुल 4524 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। 172 छात्र व 124 छात्राएं कुल 296 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। इस तरह कुल 8778 विद्यार्थियों में से 8462 छात्र छात्राओं ने परीक्षा में सफलता पाई है। जबकि 151 छात्र व 156 छात्राएं कुल 307 छात्र छात्राएं परीक्षा में फेल भी हुए हैं। पिछले वर्ष के इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम की बात करें तो इस वर्ष का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो प्रतिशत अधिक रहा है। पिछले वर्ष जिले का इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम 94.67 रहा था। जबकि इस वर्ष का परिणाम 96.40 प्रतिशत है।

शनि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठ, हवन और भंडारा का भव्य आयोजन

चतराः गुरुवार को शहर के दीभा मोहल्ला स्थित शनि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा, हवन और भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। इस पवित्र समारोह में संतन पांडेय के आह्वान पर दिल्ली, रांची और धनबाद से उनके भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और मंदिर परिसर भक्ति के रंग में रंग गया।आयोजन के दौरान मंदिर में पानी की व्यवस्था की कमी को देखते हुए संतन पांडेय के निर्देश पर अनूप अग्रवाल की धर्मपत्नी ने पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का जिम्मा लिया। भंडारा में लगभग एक हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, जिसमें स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी हिस्सा लिया। इस समारोह को सफल बनाने में डॉ. विजय अग्रवाल, संजय अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, तारा सोनी, प्रशांत अग्रवाल, राजीव मित्तल, जितेंद्र जैन, राजेंद्र अग्रवाल, ब्रह्म प्रकाश अग्रवाल, बाबू खंडेलवाल, संजय यादव, निर्भय मित्तल, सुषांत मित्तल, विकास चंद, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि समुदाय के एकजुटता और भक्ति भाव को भी दशार्ता है। श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर शनि देव की पूजा-अर्चना की और मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक बनाने में अपना सहयोग दिया।

अवैध शराब तस्करी पर पुलिस की बड़ी कारवाई

लाखों की अवैध शराब के साथ वाहन जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

चतराः लगातार पुलिसिया कार्रवाई के बावजूद झारखंड से अवैध तरीके से अवैध शराब बिहार में भेजने वाले गिरोह की सक्रियता कम नहीं हो रही है ।शराब तस्कर सीमावर्ती जिलों से बिहार के जिलों में शराब भेज रहे हैं ।बिहार में शराबबंदी के बाद से लगातार शराब की तस्करी जारी है, जबकि शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई भी कर रही है। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बिहार भेजे जाने वाली अवैध शराब की एक बड़ी खेप को हंटरगंज पुलिस ने जब्त किया।

पुलिस ने जांच के दौरान पकड़ी शराब की खेपः पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान थाना गेट के समीप चतरा डोभी मुख्य पथ पर एक बोलेरो पिकअप को पकड़ा और जांच की।इस दौरान पुलिस ने बिहार भेजे जाने वाली अवैध शराब की खेप को जब्त किया। इसके साथ ही पुलिस ने चालक को भी धर दबोचा।पुलिस ने पिकअप से कुल 40 पेटी (960) पीस केन बोतल बियर बरामद की। पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में अवैध अंग्रेजी शराब चतरा से बिहार लेकर जाने वाला है। सूचना के आलोक में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार के द्वारा गश्ती टीम को निर्देश देकर चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के दौरान हंटरगंज थाना गेट के समीप से एक पिकअप वाहन संख्या बीआर 46जी 1900 को रोका गया जिसके उपर खाली कैरेट लदा था। जब बारीकी से जांच की गई तो कैरेट के अंदर 40 पेटी हायवर्ड 5000 बियर पाया गया। तत्पश्चात इस संदर्भ में मौके पर चालक को गिरफ्तार किए गया। वही वाहन और शराब को जब्त किया गया। गिरफ्तार तस्कर थाना क्षेत्र के झिकटीया निवासी स्व लोभी भुईयां के 24 वर्षीय पुत्र नरेश भुईयां को हंटरगंज थाना कांड संख्या 102/25 05.06.25 धारा 274/275/3(5) बीएनएस एवं 47 अधिनियम दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बताते चलें कि बीते 21 मई को भी हंटरगंज बारहगवां मोड़ के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ पर एक पिकअप वाहन से पुलिस ने 22 पेटी अंग्रेजी शराब पकड़ी थी।चतरा पुलिस लगातार शराब तस्कर के मंसूबों पर पानी फेर रही है। इससे शराब तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। छापेमारी अभियान में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार,सअनि अजय कुमार महतो के अलावा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय अधीक्षक,उपकारा,बरही (हजारीबाग)
गृह,कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
दुरभाष संख्या-06543–297017

अति अल्पकालिन ई0–निविदा सूचना

1.	कारा का नाम	उपकारा, बरही (हजारीबाग)
2.	विषय	उपकारा बरही में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार, खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलू,फल एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय, आपूर्ति के निमित अति अत्यकालिन ई0–निविदा का आमंत्रण (वार्षिक ई0–निविदा दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 तक)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रूपये 5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनाक 10.06.2025 से 18.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5.	निविदा Online Upload करने का तिथि	दिनाक 10.06.2025 से 18.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनाक 19.06.2025 से 20.06.2025 के अपराह्न 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) रूपये 2500/– से अधिक होने पर जमा करने की तिथि	19.06.2025 से 20.06.2025 तक के अपराह्न 04:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनाक 21.06.2025 को पूर्वाह्न 12:00 बजे उप विक्रय आयुक्त, हजारीबाग के कार्यालय कक्ष में।

नोटः–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, उपकारा बरही के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No.9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
उपकारा, बरही (हजारीबाग)

PR 354307 Prison(25-26).D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 6 जून 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ शुक्ल-10 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 272 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ सौ दिन चले ढ़ाई कोस

माइंडसेट को बनाओ मजबूत,नतीजे होंगे शानदार : रकुल ◂◂ 6

पीएम ने तिरंगा फहराकर दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का किया उद्घाटन, वंदे भारत की भी दी सौगात

एफिल टावर से ऊंचा पुल, 266 किलोमीटर प्रतिघंटा के तूफान से लेकर भूकंप-धमाके तक बेअसर

संवाददाता

कटरा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ। जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उद्घाटन से पहले मोदी

ने पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों तथा मजदूरों से बात की, जिन्होंने एक सपने को हकीकत में बदल दिया। चिनाब रेल पुल उत्कृष्ट वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण है, यह नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे का अर्द्ध चंद्राकार पुल है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पुल 1315 मीटर लंबा है।

पुल पर भूकंप और तूफान का कोई असर नहीं पड़े, इस तरह से इसे बनाया गया है। पुल पर ट्रेन की आवाजाही शुरू होने पर जम्मू और श्रीनगर के बीच सफर आसान हो जाएगा। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में महज तीन घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय दो से तीन घंटे कम हो जाएगा। जम्मू और श्रीनगर के बीच 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है, और इस दूरी को तय करने के दौरान 36 सुरंगें और 943 पुल आते हैं। यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

भारत-पाक टकराव के बीच शशि थरूर का ड्रैगन पर बड़ा बयान

चीन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

वाशिंगटन: भारतीय डेलिगेशन के एक दल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका में चीन को लेकर एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान टकराव के बीच चीन एक ऐसा कारक है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से टकराव से पहले दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में नरमी आई थी, जो अच्छी प्रगति पर दिख रही थी। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान में चीन का बहुत बड़ा हित भी है।

पाकिस्तान पर थरूर का निशानाः अमेरिका में भारतीय दूतावास में आयोजित थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान शशि थरूर ने कहा कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सबसे बड़ी एकल परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि, 81 प्रतिशत पाकिस्तान रक्षा उपकरण चीन से आते हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि यहां रक्षा शब्द का इस्तेमाल करना गलत होगा, क्योंकि पाकिस्तान इन उपकरों का इस्तेमाल हमला करने के लिए करता है। गलवान घाटी में भारत और चीन की सेना के बीच हुई झड़प को लेकर उन्होंने कहा कि, 2020 में झड़प के बाद भी हमने पिछले साल सितंबर में चीन के साथ संबंधों में नरमी बरती थी, जो भारत-पाकिस्तान टकराव से पहले अच्छी प्रगति कर रही थी।

एक ही जमीन का दो बार म्यूटेशन कराने का मामला

हाईकोर्ट ने अपीलकर्ता पर लगाया दस हजार जुर्माना,अपील भी किया खारिज

रांचीः राजधानी रांची के ललगुटवा में एक जमीन का दो बार म्यूटेशन कराए जाने से संबंधित एक मामले में झारखंड हाई कोर्ट का फैसला आया है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएव रामचंद्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा प्रतिवादी अनिल कुमार सिंह के पक्ष में दिए गए फैसले को बरकरार रखते हुए जमीन की दोबारा किए गए म्यूटेशन को रद्द कर दिया। साथ ही कहा कि इस जमीन को दोबारा बेचकर उसका दुबारा म्यूटेशन कराकर अनावश्यक रूप से वृद्ध महिला पर केस डालकर उन्हें परेशान किया गया है। इसलिए अपीलकर्ता अजीत कुमार बरियार पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। प्रतिवादी अनिल कुमार सिंह की ओर से विशाल कुमार ने पक्ष रखा था। बता दें कि साल 1963 में देवकली देवी ने अपने द्वारा खरीदे गए ललगुटवा में 43 डिसमिल जमीन का म्यूटेशन कराया था। जमीन की रसीद भी कट रही थी। इसी दौरान पुराने जमीन मालिक के रिश्तेदारों ने साल 2000 में धोखाधडी कर अजीत कुमार बरियार का उम्त जमीन को दोबारा बेच दिया। बिल्डर ने इस जमीन की रजिस्ट्री कराकर दोबारा म्यूटेशन कर लिया था और देवकली देवी द्वारा पूर्व में कराई गई उक्त जमीन के म्यूटेशन को रद्द करवा दिया था।

बकरीद को लेकर राज्यभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, अलर्ट मोड में पुलिस प्रशासन

राज्य में लगाए गए हैं 5500 अतिरिक्त जवान, रांची में सबसे अधिक 1200 जवानों की तैनाती

संवाददाता

रांचीः पुलिस मुख्यालय की ओर से बकरीद को लेकर राज्य भर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 24 जिलों में करीब 5500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इनमें सशस्त्र बल से लेकर लाठी बल तक शामिल है।

संवेदनशील स्थानों की पहचान कर तैनातीः राज्य पुलिस मुख्यालय ने जिलों के एसपी को निर्देश दिये हैं कि वह अपने-अपने जिलों में संवेदनशील जगहों को चिह्नित कर लें। चिह्नित संवेदनशील जगहों पर उसी अनुपात में बलों की तैनाती की जाएगी। वहीं, राजधानी रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह, हजारीबाग में अतिरिक्त बलों की तैनाती की जाएगी।

राज्य पुलिस मुख्यालय ने जिलों के एसपी को निर्देश दिया है कि ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाए जो धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने में पूर्व में शामिल रहे हों। साथ ही उनके खिलाफ पूर्व में केस भी दर्ज हों। जरूरत पड़ने पर निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश भी पुलिस मुख्यालय ने दिया है। सभी जिलों के एसपी को निर्देशित किया गया है कि शांति समिति से जुड़े लोगों से संपर्क में रहें। साथ ही स्थानीय थानेदारों को भी थाने की शांति समिति के सदस्यों के संपर्क में रहने का निर्देश दिया गया है।

रैफ, रैप, जैप, आईआरबी और जैप की तैनातीः राज्य के सभी संवेदनशील जिलों में रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) को तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा रैपिड एक्शन पुलिस (रैप), झारखंड एक्शन पुलिस (जैप), इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवानों की भी तैनाती की जाएगी। वहीं, इस बार पूरी राजधानी पर नजर रखने के लिए 70 जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी, 3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

दो नहीं एक ही शिफ्ट में होगी परीक्षा

नई दिल्ली : नीट पीजी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए खास खबर है कि 15 जून को आयोजित होने वाली यह परीक्षा अब 3 अगस्त को आयोजित की जाएगी। परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है।

दरअसल, नीट पीजी परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने सुप्रीम कोर्ट में परीक्षा आयोजित कराने के लिए कुछ समय की मांग की थी। एनबीई की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त माह में परीक्षा आयोजित कराने के लिए निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा आयोजित कराने के लिए एनबीई को समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था से पूछा कि नीट-पीजी परीक्षा के लिए इतना समय क्यों

दिया जाए। परीक्षा तो जुलाई के बीच में भी आयोजित कराई जा सकती है। दो महीने का समय क्यों दिया जाए? इससे तो दाखिला प्रक्रिया में देरी होगी। कोर्ट के इन सवालों पर एनबीई ने कहा कि परीक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता हो, हम नहीं चाहते हैं।

एनबीई ने कहा कि परीक्षा को लेकर हम समय इसलिए ले रहे हैं ताकि परीक्षा आयोजित कराने के दौरान किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। 30 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नीट-पीजी परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाए। इसके बाद, एनबीई ने शीर्ष अदालत में एक आवेदन दायर कर परीक्षा को बाद की तारीख पर पुनर्निर्धारित करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी। क्योंकि एकल-शिफ्ट के आदेश का पालन करने के लिए नए सिरे से व्यवस्था करनी होगी।

बता दें कि 3 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले परीक्षा को दो शिफ्ट में कराए जाने पर कहा था कि दो शिफ्ट में परीक्षा कराने से मनमानी होगी और तमाम तरह की कठिनाइयों पैदा होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई को निर्देश दिया था कि वह परीक्षा को एक शिफ्ट में आयोजित करने की व्यवस्था करें। एनबीई ने कहा है कि एक शिफ्ट में परीक्षा आयोजित कराना एक बड़ा काम है। इसके लिए उसे 1000 से अधिक परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था करनी होगी, जिसमें काफी वक्त लगेगा। लगभग 250 से ज्यादा शहरों में सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन फिर से खोलना होगा।

अलकतरा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद लगी आग एक किलोमीटर तक फैला धुआं, दहशत में लोग

जमशेदपुरः डिमना थाना क्षेत्र के मिजार्डीह गांव में गुरूवार देर रात अलकता फैक्ट्री में विस्फोट के बाद आग लग गई। एसटीपी लिमिटेड नाम की कंपनी के फैक्ट्री में मौजूद एक टंकी के फटने से जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ आग लगने और धुआं उठने से आसपास के लोग दहशत में आ गए।

फैक्ट्री में विस्फोट के बाद उठा धुआं करीब एक किलोमीटर तक फैल गया। जहरीले गैस के रिसाव ने ग्रामीणों के बीच दहशत को और बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, खुजली और घबराहट महसूस होने लगा। बच्चों और बुजूर्गों को खांसी होने से लोगों परेशान होने लगे। कई ग्रामीण अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए।

डिमना चौक से उठा धुआं थोड़ी ही देर में पटमदा-बोड़ाम जाने वाली मेन रोड़ तक फैल गया। जिस वजह से वहां से गुजरने वाले लोग भी परेशानी में आ गए। दमकल विभाग ने दो घंटे की कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

पाकिस्तान में आईईडी ब्लास्ट, बलूचिस्तान में सेना की गाड़ी उड़ाई, 10 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद :पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान झेलना पड़ा। एक शक्तिशाली क्एऊविस्फोट में सेना की गश्ती गाड़ी को निशाना बनाया गया, जिसमें मौके पर ही 10 सैनिकों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब सेना का एक दल नियमित गश्त पर था। जैसे ही उनका वाहन एक सुनसान इलाके से गुजर रहा था, वहां पहले से बिछाए गए क्एऊमें विस्फोट हो गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि सेना की गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और जवानों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

हमले के बाद इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। सेना और अर्द्धसैनिक बलों ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान में लंबे समय से अलगाववाद और आतंकवाद की समस्या बनी हुई है। यहां पाकिस्तान सेना और पुलिस पर लगातार हमले होते रहे हैं।

यह हमला पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर रहा है। बार-बार होने वाले आतंकी हमलों के बावजूद सरकार और सेना हालात पर नियंत्रण पाने में विफल दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बलूचिस्तान में बढ़ते असंतोष, राजनीतिक उपेक्षा और सैन्य कार्रवाई ने हालात को और बिगाड़ दिया है।

आरबीआई का बड़ा फैसला

रेपो दर 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत किया, लोन- ईएमआई पर मिलेगी राहत

मुंबईःआरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दे दी है। शुक्रवार को मुंबई से मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने बताया कि एमपीसी ने तरलता समायोजन सुविधा के तहत नीतिगत रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

इस वर्ष एमपीसी की बैठक चार जून को शुरू हुई थी। आरबीआई ने इस बैठक में

फैसला किया है कि रेपो रेट को कम किया जाएगा। ये लगातार तीसरी बार है जब आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि एमपीसी द्वारा अनुशंसित कटौती 50 आधार अंकों से 5.5 प्रतिशत तक है। यह तत्काल प्रभाव से लागू है।

आरबीआई गवर्नर ने यह भी बताया कि रेपो दर में कटौती का कारण यह है कि मुद्रास्फीति में नरमी आई है, निकट अवधि और मध्यम अवधि का संरेखण आरबीआई के दायरे में है, तथा खाद्य मुद्रास्फीति नरम बनी हुई है। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा दर, जो कि एसडीएफ दर है, 5.25 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी, तथा सीमांत स्थायी सुविधा एमएसएफ दर और बैंक दर 5.75 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी। मल्होत्रा ??ने कहा, मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4, 5 और 6 जून को हुई, जिसमें नीतिगत रेपो दर पर विचार-विमर्श किया गया तथा विकसित हो रहे व्यापक आर्थिक और वित्तीय घटनाक्रमों और आगामी आर्थिक परिदृश्य का विस्तृत आकलन किया गया।

आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति के अनुमान को संशोधित कर नीचे की ओर कर दिया गया है। वैश्विक परिदृश्य नाजुक बना हुआ है, तथा बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा वैश्विक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर नीचे की ओर कर दिया गया है। बढ़ती आर्थिक और वित्तीय प्रणालियाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रही हैं। मौद्रिक नीति समिति की 55वीं बैठक मानसून सीजन की शीघ्र एवं आशाजनक शुरूआत की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई।

यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत, वैश्विक पृष्ठभूमि नाजुक और अत्यधिक अस्थिर बनी हुई है। भारत के विकास, मुद्रास्फीति और घरेलू मांग में सुधार के सभी मोर्चों पर स्थिरता है। भारतीय अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 प्रतिशत रह गई, जबकि मार्च में यह 3.34 प्रतिशत थी।

मुद्रास्फीति में गिरावट ने इसे रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के आरामदायक स्तर से नीचे ला दिया है, जिससे उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर नरम रुख अपना सकता है। 7, 8 और 9 अप्रैल को हुई पिछली एमपीसी बैठक में आरबीआई ने पहले ही रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर दी थी, जिससे यह 6.25 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत हो गई थी।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

जश्न और हादसा

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी-20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। ?वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूनार्मेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने-माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूनार्मेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई। निस्संदेह, इस आईपीएल टूनार्मेंट में युवा ब्रिगेड ने पूरी ताकत झोंककर उम्मीदों को नया मुकाम दिलाया। अब चाहे वह अभिषेक शर्मा हों, प्रियांश आर्य, आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन, शशांक सिंह या ऑल-ऑफ-14 वैभव सूर्यवंशी हों। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन पर भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष की छाया भी पड़ी। लेकिन थोड़े व्यवधान के बावजूद खेल जारी रहा। सीमा पर तनाव के बीच भारत व पाकिस्तान की क्रिकेट लीग चलती रही है, लेकिन लोकप्रियता की बाजी भारत ने मारी। बंगलुरु हादसे की दुखद घटना के बावजूद आईपीएल अपने मुकाम तक पहुंचने में किसी हद तक कामयाब रहा है। निश्चय ही आईपीएल एक ऐसा मंच बन गया है कि जिसमें आम घरों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी तथा परिवार की आर्थिकी सुधारने का मौका मिलता है, वहीं चयनकताओं को राष्ट्रीय टीम हेतु प्रतिभाएं तलाशने का एक उम्दा अवसर भी मिल जाता है।

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दशार्ता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दशार्ते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतसंबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के ही अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बड़ी कोशिश की जाए। जनजागरण और सूचना माध्यमों की रचनात्मक भूमिका साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को हासिल करने में बदलावकारी साबित हो सकती है।

वंदे गंगा जल संरक्षणः दूरगामी सोच का परिणाम है जन अभियान

राजस्थान की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा अंतर नहीं है। ऐसे में इसे भली-भांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा।

जल है तो कल है की चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देश के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश हैं जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा अंतर नहीं है। ऐसे में इसे भली-भांति समझा जा सकता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा।

वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रति व्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी, वह 2024 आते-आते 1401 घनमीटर रह गई है। यदि विशेषज्ञों की मानें तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर रह जाने की संभावना है। यही कारण है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि पानी का उपयोग कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता के मामले में आज भारत 182वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे-बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं।विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजनलाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कंक्रीट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगी है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है।

एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ-साथ ढलान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जलस्तर बढ़ाने के साथ पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे। आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरीज व सरकारी, गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो। यही कारण है कि राजस्थान की भजनलाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है।

पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है। लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे जागरुकता आएगी और जनभागीदारी भी बढेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनः चक्रीकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हालांकि पानी के पुनः चक्रीकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सौ दिन चले ढाई कोस

भाजपा को दिल्ली सरकार में वापसी का अवसर मिला। इतना ही नहीं दिल्ली में ही लगातार लोकसभा और कई बार नगर निगम जीतने के बावजूद दिल्ली विधानसभा में उसे सफलता नहीं मिल रही थी। इसके चलते चुनाव प्रचार में भाजपा ने वायदों का अंबार लगा दिया। इतना ही नहीं इस बार भी चुनाव में कोई मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया और चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर लड़ा गया। चुनाव में भाजपा को केवल दो फीसदी के अंतर से सत्ता मिली।

27 साल के लंबे इंतजार के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी सरकार के सौ दिनों के जश्न पर कहा जा सकता है कि सौ दिन चले ढाई कोस। कायदे में किसी भी सरकार के कामकाज को परखने के लिए सौ दिन काफी कम होते हैं। तब यह और चुनौतीपूर्ण हो गया है जब 27 साल के लंबे इंतजार के बाद भाजपा को दिल्ली सरकार में वापसी का अवसर मिला। इतना ही नहीं दिल्ली में ही लगातार लोकसभा और कई बार नगर निगम जीतने के बावजूद दिल्ली विधानसभा में उसे सफलता नहीं मिल रही थी। इसके चलते चुनाव प्रचार में भाजपा ने वायदों का अंबार लगा दिया। इतना ही नहीं इस बार भी चुनाव में कोई मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया और चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर लड़ा गया।

मनोज कुमार मिश्र

चुनाव में भाजपा को केवल दो फीसदी के अंतर से सत्ता मिली। जिन्हें विधानसभा का टिकट मिलने और कई बार पराजित होने के चलते जीतने का पहले से पूरा भरोसा न था, वे ही मंत्री और मुख्यमंत्री बने। सरकार के सौ दिनों का जश्न भी अलग अंदाज में मनाया गया। 31 मई को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के मंच पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का फिल्म अभिनेता अनुपम खेर लाइव साक्षात्कार ले रहे थे और बाकी मंत्री मंच के नीचे बैठे थे। कार्यक्रम के अंत में सभी मंत्री मंच पर आए और उनका ग्रुप फोटो मुख्यमंत्री और अनुपम खेर के साथ खींचा गया। नारा दिया गया-सौ दिन सेवा के। एक दिन पहले 30 मई को मुख्यमंत्री गुप्ता ने अपने सहयोगी मंत्रियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार के सौ दिनों के जश्न की शुरूआत की। तभी से हर संचार माध्यमों और सोशल मीडिया पर रेखा सरकार की उपलब्धियों का बखान किया जाने लगा है। पहली जून को रेखा गुप्ता चुनावी संकल्प पूरा करने के लिए हरिद्वार गंगा स्नान कर आईं। प्रेस कॉन्फ्रेंस और आयोजन में सरकार ने अपना वर्कबुक जारी किया। दावा किया गया कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने दिल्ली के सुनहरे भविष्य की नींव रखी है। वहीं, विधानसभा में विपक्ष की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी का आरोप है कि भाजपा सरकार ने अपना एक भी चुनावी वायदा नहीं पूरा किया। महिलाओं को पेंशन देने से लेकर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर करना अभी तक पूरा नहीं हुआ। सौ दिनों में ही दिल्ली सरकार पटरी से उतर गई।विपक्ष के आरोप भले राजनीतिक हों लेकिन वास्तव में इस सरकार ने 25 मार्च को एक लाख करोड़ का बजट लाकर जो वातावरण बनाया था, वह धरातल पर अभी उतरता नहीं दिख रहा है। केन्द्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है ही, दिल्ली में भाजपा सरकार बनते ही दिल्ली नगर निगम में भी भाजपा का मेयर बन गया। अब तो निगम के 15 निगम पार्षदों ने आम आदमी पार्टी से अलग होकर अलग दल ही बना लिया। इक्का-दुक्का पार्षद तो साल भर से आम आदमी पार्टी से अलग होकर भाजपा के साथ आते रहे हैं। कायदे में तो काफी दिन से भाजपा निगम में भी बहुमत में आ गई थी। यानी दिल्ली में हर स्तर पर शासन में भाजपा के होने के बावजूद सरकार की पहचान दिल्ली में न दिखाई देना लोगों को अखरने लगा है। जिस आआपा पर भाजपा हर समय चुनावी मोड में होने का आरोप लगाती रही है, वही आरोप उसपर आम आदमी पार्टी और हाशिए पर चली गई कांग्रेस लगा रही है।

यह सही है कि अपने वायदे के मुताबिक दिल्ली की नई सरकार की पहली मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली में भी आयुष्मान योजना लागू करने का फैसला लिया गया। बताया गया कि अब तक तीन लाख दस हजार पात्र लोगों का इस योजना में पंजीकरण कर दिया गया है। महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पात्र लोगों को चिह्नित करने का काम शुरू हो गया है। सड़कों के मरम्मत के लिए बजट आवंटित कर दिए गए हैं। मानसून से पहले 250 किलोमीटर सड़क के मरम्मत का काम पूरा हो जाएगा। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ-सफाई पर है लेकिन नालों को साफ करके कचरा किनारे रखने से संकट बढ़ेगा। बरसात होते ही फिर से कचरा नालों में जाएगा और फिर से सड़कों पर पानी जमा होगा। हर बरसात में दिल्ली का शोपीस बना मिंटो ब्रिज अब दोनों तरफ की सड़कों से काफी नीचे हो गया है। उसपर जलजमाव न होने का एक ही उपाय है कि उस पर फ्लाई ओवर बने। यह सालों से कहा जा रहा है लेकिन तय कब होगा, किसी को पता नहीं है। सही हालात तो यह है कि अभी बजट पास होने और उसके आवंटन के बाद समय कम मिला है इसलिए अभी मुख्यमंत्री या मंत्री दावे करने के बजाए बुनियादी कामों पर ज्यादा ध्यान दें।

आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में एक काम यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली की मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम प्राइवेट स्कूलों की फीस पर नियंत्रण रखना था। आम आदमी पार्टी की सरकार जाते ही प्राइवेट स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दी। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए मजबूरन कठोर कदम उठाने पड़े। सरकार फीस रेगुलेटरी बिल लेकर आई। तब जाकर माहौल बदला। यह सरकार को सोचना होगा कि ऐसा क्यों हुआ और आगे किसी और मामले में ऐसा न हो। कुछ काम निश्चित रूप से दिल्ली की ठोस बुनियाद के लिए शुरू हुए हैं। सीएम श्री योजना के तहत 70 विश्वस्तरीय स्कूल खोले जाएंगे और आम आदमी पार्टी सरकार के 500 मोहल्ला क्लीनिक के बदले 1100 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे। इसकी शुरूआत भी हो गई है लेकिन इस सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती तो दिल्ली में अपने काम से बड़ी लकीर खींचने की है। अभी भी 15 साल के शासन में जो उपलब्धि कांग्रेस शासन में शीला दीक्षित ने हासिल कर ली थी, वह किसी और नेता के लिए चुनौती है।पहली बार विधायक बनकर मुख्यमंत्री बनीं रेखा गुप्ता के लिए यह चुनौती काफी बड़ी है। उनकी टीम में उनसे वरिष्ठ नेता तो हैं ही, ऐसे अनेक नेता हैं जिनको हर मामले में उनसे ज्यादा अनुभव है। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता की सक्रियता से कई नेता परेशान हैं। भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993 में सत्ता में आई थी। आपसी विवाद आदि के चलते पांच साल में भाजपा को तीन मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। 1998 में दिल्ली की सत्ता से बेदखल होने के बाद इस बार वह सत्ता में लौट पाई है। इस बार भाजपा बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ी और 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 45.86 फीसदी वोट और 48 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

निर्जला एकादशी के व्रत से मिलती है भगवान विष्णु की कृपा

आ यानी की 06 जून 2025 को निर्जला एकादशी का व्रत किया जा रहा है। इस एकादशी को निर्जला और भीमसेन एकादशी भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। एकादशी का व्रत जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित होता है। इसलिए एकादशी तिथि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। वहीं एकादशी तिथि पर पूरा दिन व्रत करते हुए श्रीहरि के नाम और उनके मंत्रों का जाप किया जाता है। तो आइए जानते हैं निर्जला एकादशी तिथि का मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरूआत 06 जून की रात 02:15 मिनट पर शुरू होगी। वहीं अगले दिन यानी की 07 जून की सुबह 04:47 मिनट पर समाप्त होगी। एकादशी तिथि पर सुबह 05:23 मिनट से सुबह 06:34 मिनट तक रवि योग रहेगा और इसके बाद सुबह 11:52 मिनट से दोपहर 12:48 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करके सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद पूजा स्थल पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें। अब हाथों में थोड़ा सा अक्षत और फूल लेकर व्रत का संकल्प करें और इसे भगवान विष्णु को चढ़ा दें। इसके बाद श्रीहरि विष्णु को जल, फूल, माला, पीला चंदन, अक्षत आदि अर्पित करें। वहीं घी का दीपक जलाकर विष्णु मंत्र, विष्णु चालीसा और एकादशी व्रत कथा का पाठ करें। अंत में भगवान श्रीहरि को तुलसी दल मिलाकर भोग लगाएं। पूजा के आखिरी में श्रीहरि की आरती करें और दिन भर निर्जला व्रत करें। अगले दिन शुभ मुहूर्त में व्रत का पारण करें।

सेहत

गर्मी में डिहाइड्रेशन की वजह से हो सकती हैं कई गंभीर समस्याएं

गर्मी के मौसम में हमारे शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। क्योंकि इस मौसम में तेज धूप और पसीने के लिए शरीर से काफी मात्रा में फ्लुइड्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन नहीं किया जाता है, तो व्यक्ति को ब्लड प्रेशर, डायरिया, चक्कर आना और बेहोशी जैसी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डिहाइड्रेशन एक ऐसी समस्या है, जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। वहीं भारत में भी यह एक आम समस्या है, क्योंकि यहां पर मौसम अधिक गर्म और नम रहता है। वहीं परेशानी की बात यह है कि लोग इसके लक्षणों को पहचान नहीं पाते हैं और उनको इस बात का एहसास नहीं हो पाता है कि वह डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। लेकिन आप थोड़ी सी जागरुकता और नियमित पानी पीने की आदत से डिहाइड्रेशन के खतरे से बचा जा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डिहाइड्रेशन के खतरे से बचा जा सकता है।

डिहाइड्रेशन की समस्या : बता दें कि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन कहा जाता है। आमतौर पर यह समस्या बहुत ज्यादा पसीना आने, बुखार, दस्त या उल्टी और धूप में अधिक समय बिताने पर हो सकती है। वहीं अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं या फिर ऐसी दवाओं का सेवन करते हैं, जिसके कारण आपको बार-बार पेशाब आता है, तो भी डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ सकता है।

शरीर में पानी का काम : शरीर में पानी के अनगिनत काम होते हैं और यह शरीर के तापमान को भी कंट्रोल करने में सहायता करता है। साथ ही यूरिन और पसीने के जरिए यह शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में सहायता करता है। इतना ही नहीं यह खाने को भी पचाने में अहम भूमिका निभाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

योग दिवस को लेकर प्रशिक्षण सत्र आयोजित

साहिबगंज : आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में विज्ञान केंद्र साहिबगंज में शारीरिक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित की गई।बैठक में 11 जून को विद्यालय स्तर पर योग कार्यक्रम 12 जून को योग क्लब गठन और 21 जून को योग दिवस के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा ने सभी शिक्षकों को दिशा-निर्देश दिए वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक हर्ष मंगल ने सुझाव साझा किए।इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना से एडीपीओ विजय कुमार, एपीओ डॉली कुमारी और शबनम तबस्सुम भी उपस्थित रहीं।बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए शिक्षकों ने सामूहिक परिचर्चा में भाग लिया।

मंटू यादव को मुफस्सिल पुलिस ने किया गिरफ्तार

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सकरीगली समदा निवासी मंटू यादव को मुफस्सिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया कि मंटू यादव के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था। जिसकी गिरफ्तारी बीती रात्रि छापेमारी कर की गई पूछताछ के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया

पैसा मांगने पर भाई और भतीजा ने लाठी से मारपीट कर दिया घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज निवासी संजय यादव व श्रीकांत यादव के बीच जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हो गए। जिसमें संजय यादव गंभीर रूप से घायल हो गये संजय अपनी शिकायत को लेकर मुफस्सिल थाना पहुंचे जहां मुफस्सिल पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।घायल संजय ने बताया कि बड़े भाई के यहां मजदूरी का काम किए थे। इससे पहले भी हमलोग अपने भाई को कर्ज के तौर पर पैसा भी दिए थे।जिसके पैसा मांगने पर भाई श्रीकांत और भतीजा ने लाठी डंडा से मारपीट कर घायल कर दिया।

आलोक 92% लाकर झारखण्ड के सातवां रेंक किया हासिल

साहिबगंज/ मंडरो : झारखंड इंटरमीडिएट आर्ट्स परीक्षा का परिणाम गुरुवार को जारी हुआ इसमें साहिबगंज जिला के मंडरो यू पी +2 वन प्रवासी उच्च विद्यालय भगैया आलोक कुमार दास 460 अंक 92% लाकर झारखण्ड के सातवां रेंक हासिल किया। गोड्डा जिला के श्रीपुर बाजार निवासी आलोक दास के पिता बंसीधर दास प्राइवेट टीचर हैं। वहीं माता कुमारी अनिता गोस्वामी उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोड्डा भगैया में सरकारी टिंचर है। शिक्षक के परिवार से आता है। जिले भर के विद्यार्थियों के लिए बने प्रेरणा सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि जिला भर के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है। मेहनत समर्पण के बल पर कोई भी छात्र किसी भी परिस्थिति में सफलता की ऊंचाई तक पहुंच सकता है झारखंड में सातवां रैंक की खबर सामने आने के बाद उन्हें सोशल मीडिया स्थानीय सामुदायिक में खूब सराहना मिल रहा है। लोग बधाई दे रहे हैं साथी परिवार और गांव के लोग ने खुशी जाहिर की है। ? आलोक देव ने बताया कि वह प्रशासनिक अधिकारी बनने का इच्छा है।

आप जैसे रक्त वीरों की वजह से समाज में रक्तदान का कार्य निरंतर चल रहा है : स्वास्थ्य कर्मी

साहिबगंज : उमा अमृता फाउंडेशन हमेशा जरूरत मंदो की मदद करते आ रहे है।वही कल्याणचक की रहने वाली 50 वर्षीय महिला जिसका हीमोग्लोबिन 5.2 था।उसे रक्त कि जरूरत थी ।जब इसकी जानकारी उमा फाउंडेशन के ब्लड डोनर सेल के उपाध्यक्ष संतोष मोदी को हुआ तो उन्होंने बिना सोचे तुरंत साहिबगंज सदर अस्पताल पहुंचकर उस महिला को रक्तदान करके जीवन बचाने का काम किया।संस्था की तरफ से हम संतोष मोदी का दिल से आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया कहा कि आप जैसे रक्त वीरों की वजह से समाज में रक्तदान का कार्य निरंतर चल रहा है। पेशेंट के परिवार के सदस्य ने संतोष का आभार प्रकट किया एवं संस्था के कार्यों की प्रशंसा की ।मौके पर संस्था के प्रशांत शेखर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुत्र ने पिता को मामूली विवाद में बुरी तरह पीटा, मौत

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बसहा पंचायत अंतर्गत नगरभीट्ठा पहाड़िया गांव में पुत्र ने अपने पिता को मामूली विवाद में बुरी तरह मार कर मौत का घाट उतारा दिया।मिली जानकारी के अनुसार कतगु पहाड़िया उम्र 65 वर्षीय, पिता स्वर्ग कामारे पहाड़िया ग्राम नगरभीट्ठा,के बीते रात्रि 11 बजे बुधवार को पिता और पुत्र में आपसी विवाद होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया। पुत्र असना पहाड़िया 25 वर्षीय ने अपने पिता कतगु पहाड़िया को गुस्से में आकर लाठी डंडे से कमर और पंजराठी में मार कर बुरी तरह घायल कर दिया।जिससे जख्मी बुजुर्ग पिता कुछ देर के बाद मौके पर ही दम तोड़ दिया।जहां परिजनों ने घटना की सूचना मिजाचौकी थाना पुलिस को दिया।घटना की सूचना मिलते ही मिजाचौकी पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया गया।

वृक्ष हमारे सच्चे मित्र हैं जितने अधिक पेड़ होंगे, लोग उतने ही स्वस्थ और प्रसन्नचित्त होंगे : फुलेश्वर कुमार

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण दिवस पर गंगा नदी थाना परिसर एस आई फुलेश्वर कुमार अकेला के द्वारा कई वृक्षारोपण किया। जहाँ एस आई फुलेश्वर कुमार के द्वारा बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में 5 जून को मनाया जाता है। वर्ष 1972 में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरू किया गया था।यह कई गैर-सरकारी संगठनों व्यवसायों सरकारी संस्थाओं द्वारा समर्थित है और पर्यावरण का समर्थन करने

वाले संयुक्त राष्ट्र के प्राथमिक आउटरीच दिवस का प्रतिनिधित्व करता है। विश्व पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें। एक पेड़ माँ के नाम में राष्ट्रीय अभियान के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया है। आगे बताया गया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य स्वच्छ हरित और टिकाऊ पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना आज हम मियावाकी तकनीक द्वारा घने वन लगाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह तकनीक अल्प समय में जैव विविधता को बढ़ावा देती है। इस वर्ष की थीम ह्यप्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें। अनुरूप, हम प्लास्टिक उपयोग को कम करने के लिए भी प्रयासरत हैं। वृक्ष हमारे सच्चे मित्र हैं.जितने अधिक पेड़ होंगे लोग उतने ही स्वस्थ और प्रसन्नचित्त होंगे।

सरकारी स्थानों पर विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाया गया जागरुकता अभियान

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरोः प्रखंड के विभिन्न सरकारी स्थानों परीयावरण दिवस मनाया गया। ग्राम पंचायत पिंडरा और कौडी. खुटाना स्थित हाथमारी, वन विभाग मंडरो,, माथाडीह, दयालपुर, करला गांव मे गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फोर मदर एण्ड चाइल्ड साहिबगंज के द्वार एक दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीणो के बीच किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप कर प्रज्वलित कर किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एव प्लास्टिक का प्रयोग मे कमी लाना बताते चलें कि यह दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी याद दिलाता है। मालूम हो कि विभिन्न देश संगठन और

समुदाय पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होते हैं। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और नीतिगत बदलाव जैसे कदमों को प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरुक करते हुए बताया गया कि प्लास्टिक का कम उपयोग करें, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचें।
सोशल मीडिया और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से दूसरों को प्रेरित करें। उक्त कार्यक्रम मे बीडीओ मेघनाथ उरांव, वन विभाग वन रक्षी आंगनवाड़ी सेविका, आशा, जीविका समूह के सभी स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर जिला समन्वयक अमन कुमार, प्रखंड समन्वयक कमलेश कुमार सिंह, पंचायत कोऑर्डिनेटर आलोक मुर्मू, दरोथी हांसदा, प्रीती मुर्मू, सहदेव ठाकुर उपस्थित थे।

छह दिवसीय जेनरल एडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 6 दिवसीय जेनरल एडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ केआसेर्टी के वरीय प्रशिक्षक राजहंस कुमार व उपेंद्र गोप ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो गांव की दीदियों को रोजगार से जोड़ने और उन्हें छोटे -छोटे दुकान के साथ साथ- साथ बड़े व्यापारी बनने के गुण सीखाना व बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया जाना है।इस कार्यक्रम में कुल आजीविका सखी मंडल की 35 दीदियों को प्रशिक्षित किया जा रहा

है। जो विभिन्न प्रखंडों से आए हुए हैं। जिसमें राजमहल,बरहरवा पतना,बोरियों एवं तालझारी के प्रशिक्षु उपस्थित हैं। यह कार्यक्रम 10,मई तक जारी रहेगी।मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम उपस्थित थे।

अपहरण व मारपीट मामले में लगाई न्याय की गुहार

साहिबगंज : जिले पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीड़ित महिला झिकटिया निवासी गुड़िया देवी पति संतोष ठाकुर ने अपहरण व मारपीट कर घायल कर देने के मामले में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई।वही पीड़ित महिला ने बताया कि बीते सोमवार की दोपहर लगभग 12 बजे मेरा पुत्र अनिकेत कुमार को मनोज गोस्वामी आया और बुला के ले फील्ड के तरफ ले गया। जहां दिनेश कर्मकार बलराम साहा संजय कर्मकार,बीरबल साहा, लालू साहा के द्वारा मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वही इसकी सूचना मुखिया को दी गई। वही मुखिया और पुलिस के सहयोग से सोमवार की शाम 5 बजे मेरे पुत्र को बरामद किया गया। वही रांगा थाना पुलिस के द्वारा मेरे पुत्र को इलाज हेतु पतना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया।

हम लोगों की सफलता का श्रेय कोचिंग सेंटर के निदेशक को जाता है : छात्र

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : शहर के कॉलेज रोड के ज्ञानदा गली स्थित बी के ट्यूशन सेंटर में इस बार भी इंटर आर्ट्स में छात्र छात्राओं का दबदबा बरकरा रहा।इस बार भी इंटर आर्ट्स मे देवाशीष गुप्ता 362,आदित्य गुप्ता 347 अजय रजक 531,उर्वसी कुमारी 321,शिल्पी कुमारी 314, अंकित केशरी 300,आरुषि कुमारी 328 आरफा प्रवीण 368,रौनी साहनी 301 एवं अन्नु कुमारी 305 अंक लाकर बी के ट्यूशन सेंटर का नाम रोशन किया। इस खुशी के मौके पर बी के ट्यूशन सेंटर का निदेशक बीरु केशरी ने छात्र छात्राओं के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित का छात्र छात्राओं को मिठाई खिलाकर बधाई दी।इस मौके पर ट्यूशन सेंटर के निदेशक डॉ बीरु केशरी ने बताया की प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे ट्यूशन सेंटर का रिजल्ट 100 प्रतिशत अच्छा रहा।उन्होंने कहा की प्रत्येक सप्ताह छात्राओं का लिखित में टेस्ट लिया जाता है।और इसीका नतीजा है कि सभी छात्राएं प्रथम श्रेणी से सफल हुए है।वही छात्र छात्राओं ने कहा की हम लोगों की सफलता का श्रेय कोचिंग सेंटर के निदेशक डॉ बीरु केशरी को जाता है.और सर हम लोगों को हमेशा पढ़ाई को लेकर हौसला बढ़ाते रहते हैं।

योग भवन से हजारों रुपए के समान चोरी

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के धोबी झरना स्थित योग भवन से चोरों ने हजारों रुपए के समान चोरी कर ली है। जिसको लेकर प्रखंड कृषि पदाधिकारी गायत्री मंदिर रोड चौधरी कॉलोनी निवासी राजीव पांडेय ने जिरवाबाडी थाना को आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाया हैं।राजीव पांडेय आवेदन में बताया कि प्रतिदिन की तरह सुबह में 5:30 बजे मैं अपने सहयोगियों के साथ धोबी झरना स्थित योग भवन में योग करने के लिए पहुंचा।तो देखा कि योग भवन के चार दिवारी का घेरा वाला ग्रिल झुका कर चोर योग भवन में प्रवेश किया। योग भवन का में गेट उसे समय अंदर से बंद था। सामने ग्रिल का ताला पर गायब था। मैंने तुरंत आस पड़ोस के लोगों औरसंगठन के अध्यक्ष सचिव व अन्य को चोरी होने की सूचना दी। संगठन के अध्यक्ष दीपक कुमार के आने पर हम लोगों ने भवन के अंदर प्रवेश किया तो देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा है और भवन में लगे एलइडी टीवी, इनवर्टर, बैटरी ,मोटर, ब्लड प्रेशर मापने वाला मशीन ,वजन मापने वाला मशीन, साउंड बॉक्स, दान पेटी में नगद रुपया पीतल का बर्तन सिलेंडर गैस सहित अन्य सामान की चोरी कर ली। जिसकी कुल कीमत लगभग 71 हजार रुपया आकलन लगाया गया। उन्होंने बताया कि शाम ढलते ही योग भवन के आसपास कुछ असामाजिक तत्व के लोग शराब का सेवन करते हैं और घटना को अंजाम देते हैं। इधर जिरवाबाडी पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई।

जिले के शांति व्यवस्था कभी नहीं बिगड़े इसके लिए सबों का सहयोग अपेक्षित है : उपायुक्त

दुमका : शहर केइंडोर स्टेडियम में ईद-उल-जुहा(बकरीद) के निमित्त उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।
उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा जिले के शांति व्यवस्था कभी नहीं बिगड़े इसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है।किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना नहीं हो इसे सुनिश्चित की जाय।बीडीओ किसी भी प्रकार के घटना,दुर्घटना पर नजर रखें एवं विशेष परिस्थिति में आवश्यकता अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित करें।कहा कि ड्रोन के माध्यम से विधि व्यवस्था पर नजर रखी जायेगी।विधि व्यवस्था बिगाड़ने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जायेगी।
उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता है लेकिन एक सकारात्मक पहल से समस्याओं को कम जरूर किया जा सकता है।जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में कार्य किया जा रहा है।कहा कि दुमका जिला ने हमेशा से ही शांति व्यवस्था की एक मिशाल पेश की है,विश्वास है जिले के लोग इसे बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें,बिना जांच किये किसी भी सोशल मीडिया के संदेश को फारवर्ड नहीं करें।कहा कि सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन की नजर रहेगी।अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।पुलिस प्रशासन की हर गतिविधि पर विशेष नजर रहेगी।जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे।आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले पर नजर रखी जायेगी।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार सहित सभी थाना प्रभारी,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, शांति समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

तीनों पर्यवेक्षकों के मनोनयन पर साहिबगंज कांग्रेसजनों में प्रसन्नता का माहौल

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अधिसूचना नं 104/ 4 जून के अनुसार झारखण्ड मे आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर सभी नगर निगम नगर परिषद नगर पंचायतों में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उददेश्य से वहां के ही स्थानिय लोकसभा और विधान सभा के प्रत्याशियों और उस क्षेत्र के प्रमुख्य कांग्रेसजनों को पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया है।इस अधिसूचना के आलोक में साहिबगंज जिला अन्तर्गत साहिबगंज नगर परिषद में मो कलिमुद्दीन,राजमहल नगर पंचायत में भावना गुप्ता और बरहरवा नगर पंचायत के लिये कमल आर्या का मनोनयन किया गया है।साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के प्रति इन तीनों नगर निकाय के पर्यवेक्षकों के

मनोयन हेतू साधुवाद किया और आभर प्रकट करते हुये पुरा सहयोग करने का विश्वास दिलाया।वही तीनों पर्यवेक्षकों के मनोनयन पर साहिबगंज कांग्रेसजनों में प्रसन्नता का माहौल है और बधाई और शुभकामनाएं देने वाले में जिला अध्यक्ष बरकत खान,जिला उपाध्यक्ष बासुकी नाथ यादव,युवा अध्यक्ष अख्लाक नदीम,नगर अध्यक्ष सतीश पासवान,अजय यादव,यमुना दास, अनुप हर्षवाल,विनोद सिन्हा,आमीत गुप्ता बॉबी,सन्तोष कुमार,आदित्य ओझा,अविनाश ओझा,उमेश मंडल, रिजवान अहमद, शशीधर यादव,वसीम औरंगजेब, सादिक अंसारी,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष तनवीर राजा,महिला जिलाध्यक्ष सुष्मिता कीड़ों अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष रफाजुल अहमद,अली कुरैशी आदि शामिल है।

उपायुक्त ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दुमका : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को समाहरणालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण की महत्ता समझाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की। उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि ह्यपर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। एक छोटा सा प्रयास भी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है।ह्व उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर समाहरणालय के कई पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे।

इन अभिनेत्रियों ने छोटे पर्दे से की शुरूआत

अब फिल्मों में खूब कमाया नाम

लीवुड में पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके बाद उन्हें अच्छी फिल्में मिलती हैं और उनका नाम होता है। बॉलीवुड की कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह बड़े पर्दे यानी बॉलीवुड तक पहुंचीं। आज दुनिया में उनका नाम है। आज इस खबर में हम उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्होंने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर तय किया।

विद्या बालन

विद्या बालन बॉलीवुड में अलग अदाकारी के लिए जानी जाती हैं।

उन्होंने साल 1995 में हम पांच टीवी शो से अदाकारी में कदम रखा। इसके बाद वह बंगाली फिल्म में नजर आई। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरूआत साल 2005 में फिल्म परिणीता से की।

मौनी रॉय

मौनी रॉय आज बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस हैं।

एक वक्त था जब वह छोटे पर्दे पर अदाकारी करती थीं। उन्होंने सबसे पहले साल 2006 में क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने बतौर एक्ट्रेस साल 2018 में फिल्म गोल्ड से अदाकारी शुरू की।

यामी गौतम

यामी गौतम अपनी सबसे पहली फिल्म

विक्की डोनर (2012) से बहुत मशहूर हुईं। इसके बाद उन्हें कई फिल्में मिलीं। लेकिन उन्होंने अपने इभिनय की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। उन्होंने सबसे पहले टीवी सीरियल 'चांद के पार चलो' से अदाकारी की शुरूआत की थी।

मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर कुमकुम भाग्य टीवी शो से शुरू किया था। उन्होंने बॉलीवुड में लव सोनिया से कदम रखा। उन्होंने ऋतिक रोशन और जॉन अब्राहम के साथ काम किया।

प्राची देसाई

प्राची देसाई भी फिल्मों में जलवा दिखाने से पहले टीवी सीरियल में दमदार अदाकारी कर चुकी हैं। उन्होंने सबसे पहले कसम से सीरियल में अदाकारी की। उन्होंने रॉक आन से बॉलीवुड में कदम रखा। वह इमरान हाशमी के साथ फिल्म अजहर में भी नजर आ चुकी हैं।

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा सुपर डांसर सीजन 5

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे। बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष

त्रिपाठी होंगे। शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए। मैं खुद एक मां हूं, इसलिए जानती हूं कि मां का अपने बच्चे के लिए कितना प्यार और सपोर्ट होता है। जज के तौर पर मैं ऐसे परफॉर्मेंस देखना पसंद करती हूं जो सीधा दिल को छू जाए। जज गीता कपूर ने कहा, इस नए सीजन में खास बात ये है कि मां और बच्चे के रिश्ते को बहुत खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हर कंटेस्टेंट अपने डांस में नए-नए आइडियाज लेकर आएंगे। वह बिना डर के एक्सपेरिमेंट करेंगे और पूरी मेहनत से बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे। मैं इन सभी कंटेस्टेंट्स को पहले से ही दिल से शुभकामनाएं देती हूं। कोरियोग्राफर मर्जी ने कहा, मैं पहले भी सुपर डांसर शो में गेस्ट बनकर आया हूं। जब भी मैं यहां आया हूं, हर बार बच्चों की काबिलियत, एनर्जी और जोश देखकर हैरान रह जाता हूं। कंटेस्टेंट्स के डांस देखकर मुझे वाकई बेहद खुशी होती है। पहली बार जज बनकर इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास और भावुक करने वाला अनुभव है। सुपर डांसर- सीजन 5 जल्दी ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होने वाला है। लेकिन अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

रश्मिका को अच्छी लगती है बारिश की भीनी खुशबू, लेकिन एक चीज नहीं पसंद!

बारिश की पहली बूंदों की भीनी-भीनी सी खुशबू हर किसी को बहुत भाती है। मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को भी पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है। लेकिन उन्होंने बारिश से होने वाली असुविधा को निराशाजनक बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है, लेकिन उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ धीमा हो जाता है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर बारिश का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर एक लाइन लिखी है, जब बारिश होती है तो मिट्टी की खुशबू आती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, तो बारिश आ गई है... मुझे यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ थोड़ा धीमा हो जाता है, लेकिन कसम से! पहली बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है और वह एहसास भी कमाल का होता है। यह सबसे प्यारा लगता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका की झोली में कई फिल्में हैं, जिसमें आदित्य सरपोतदार की थामा, जिसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, साथ ही कुबेरा, पुष्पा 3, द गर्लफ्रेंड और रेनबो भी शामिल हैं।

20 मई को, रश्मिका ने जी सिने अवॉर्ड्स 2025 के रेड कार्पेट पर वॉक किया था। लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लैक कलर की खूबसूरत मॉडर्न साड़ी में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ था। इसके अलावा, गोल्डन हार्ट शेप की बालियां फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही थीं।

शानदार लुक पाने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, काफी समय बाद मैं फिर से रेड कार्पेट पर गई... आप सबका इतना प्यार मिल रहा है, जिससे मेरा दिल बहुत खुश है। बस आपको दिखाना चाहती थी कि उस दिन मैंने क्या पहना था...

विक्रांत मैसी ने श्री श्री रविशंकर प्रसाद पर आधारित महावीर जैन और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स की अंतर्राष्ट्रीय थ्रिलर फिल्म व्हाइट की तैयारी शुरू की

प्रभावशाली सिनेमा के पीछे दूरदर्शी निर्माता महावीर जैन और वैश्विक अपील वाली अत्याधुनिक फिल्में देने के लिए मशहूर सिद्धार्थ आनंद की मार्फ्लिक्स पिक्चर्स, फिल्म व्हाइट बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं, एक अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर जो विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर प्रसाद के जीवन और शिक्षाओं पर गहराई से प्रकाश डालती है। विक्रांत मैसी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म व्हाइट में मनोरंजक कहानी और गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का मिश्रण होने का वादा किया गया है, जो सामाजिक रूप से जागरूक और वैश्विक रूप से प्रासंगिक फिल्म निर्माण में एक साहसिक अध्याय की नई शुरूआत करेगी। फिल्म की टीम ने अब इसकी गहन तैयारी शुरू कर दी है, जो एक प्रामाणिक और इमर्सिव सिनेमाई यात्रा की नींव रखेगी। इस तैयारी के हिस्से के रूप में, महावीर जैन ने व्यक्तिगत रूप से बेंगलुरु में आर्ट ऑफ़ लिविंग आश्रम की एक महत्वपूर्ण दौरा किया। प्रशंसित अभिनेता विक्रांत मैसी, जो श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं.

माइंडसेट को बनाओ मजबूत, नतीजे होंगे शानदार: रकुल प्रीत

मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह न सिर्फ अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पॉजिटिव सोच और लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक किताब का पन्ना शेयर किया, जिसमें जिंदगी से जुड़ी गहरी बात छिपी हुई थी। दरअसल, इस पन्ने पर लिखा था- आपके सोचने का तरीका, हमारी जिंदगी की बुनियाद होता है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कैप्शन में लिखा, माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा। यानी अगर आप अपने सोचने के तरीके पर काबू पा लेते हैं, तो आप अपने नतीजों पर भी काबू पा सकते हैं। रकुल का यह पोस्ट इस बात का सबूत है कि वह अपने फैंस का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि जिंदगी से जुड़ी प्रेरणाएं भी उन्हें देती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पिता के साथ एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने पिता के साथ स्कूटर पर बैठी हुई दिखाई दीं। यह तस्वीर उनके बचपन की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।

आर. माधवन के नाम पर ऑनलाइन लूट रही थी महिला, एक्टर ने खोलकर रख दी पोल

ऑनलाइन दुनिया में ठगी के धंधे भी बहुत हैं। कई बार ठग सितारों का नाम लेकर ठगी करते हैं। ऐसा ही कुछ एक महिला आर. माधवन के नाम पर करने की फिराक में थी। मगर, एक्टर ने समय रहते महिला ठग की पोल खोल दी। बड़े प्रोडक्शन हाउस और सुपरस्टार्स के नाम पर अक्सर मासूमों को ठगा जाता है। खासकर, वे लोग जो सिनेमा की दुनिया में करियर बनाने मायानगरी आते हैं। खुद को बड़े सितारों का मैनेजर बताकर न जाने ठग कितने ही मासूमों को अपने झांसे में फंसाते हैं। ऑनलाइन दुनिया में ऐसा ही एक महिला ठग अभिनेता आर. माधवन के नाम पर कर रही थी। मगर, एक्टर ने सूझबूझ दिखाई। पता चलते ही महिला की पोलपट्टी खोल दी।

अभिनेता आर. माधवन ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। यह श्रुति नैना नाम की एक प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट है। इसके बायो में लिखा है, आर. माधवन की ऑफिशियल मैनेजर। एक्टर ने स्क्रीनशॉट में यह हिस्सा गोला लगाकर शेयर किया है। साथ ही लिखा है, फ्रॉड अलर्ट।

श्रुति नैना नाम की जिस प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है, इसके करीब सवा तीन सौ फॉलोअर्स हैं।

फ्लाइट के दौरान सिगरेट जलाने पर ब्रिटनी स्पीयर्स को चेतावनी

लॉस एंजेलिस। पॉप आइकन ब्रिटनी स्पीयर्स को उनके व्यवहार के लिए उड़ान के दौरान फटकार लगाई गई है। कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ काबो सान लुकास से लॉस एंजिल्स की यात्रा के दौरान गायिका ने शराब पी रखी थी और उड़ान के दौरान सिगरेट जलाई थी। सिंगर की ओर से संघीय विमानन नियमों का उल्लंघन किया गया है। सिंगर के इस बर्ताव से चार्टर प्लेन में मौजूद फ्लाइट अटेंडेंट घबरा गए, क्योंकि विमान में धूम्रपान करना वर्जित होता है। फ्लाइट अटेंडेंट की ओर से बताया गया कि स्पीयर्स ने सिगरेट बुझा दी। फिर भी, उड़ान के बीच में ही अधिकारियों से संपर्क किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान उतरा तो अधिकारियों ने सिंगर से मुलाकात की और उन्हें उड़ान के दौरान ऐसे बर्ताव को लेकर चेतावनी दी। बाद में उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, यह पहली चेतावनी नहीं है। इससे पहले भी वह इस तरह की हरकत कर विवादों में फंस चुकी हैं। सूत्र ने आगे कहा, वह नियमों का ठीक से पालन नहीं करतीं। सार्वजनिक चार्टर ऑपरेटर जेएसएक्स, जिस पर स्पीयर्स सवार थीं, उसने इस घटना के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की, जबकि गायिका के प्रतिनिधि ने भी टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। सिंगर के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को पहले भी कई बार लोगों ने नापसंद करते हुए नाराजगी जताई है। 2000 के दशक की शुरुआत में कई परेशान करने वाली घटनाओं के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण स्पीयर्स 13 साल तक गार्डियनशिप के अधीन रहीं।

बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल हुई ऐश्वर्या राय, ट्रोल्स को फिर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की ग्लोबल आइकन और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने अनोखे और रॉयल अंदाज से चर्चा में आ गई हैं। इस बार ऐश्वर्या ने फेस्टिवल के पहले दिन एक पारंपरिक बनारसी साड़ी पहनकर सबका ध्यान खींच लिया। माथे पर सिंदूर, गले में चोकर और कंधों पर लहराता लंबा दुपट्टा–ऐश्वर्या का यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल था।

सिंदूर से जुड़ा गहरा संदेश?

ऐश्वर्या के लुक की सबसे खास बात थी उनकी मांग में भरा सिंदूर, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर कई चर्चाएं शुरू हो गईं। कई यूजर्स ने इसे हाल ही में वायरल हुए ऑपरेशन सिंदूर अभियान से जोड़ते हुए कहा कि यह ऐश्वर्या का एक साइलेंट स्टैंड हो सकता है–भारतीय संस्कृति के उस पक्ष के समर्थन में, जिसमें सिंदूर को एक विशेष पहचान दी जाती है। उनके इस देसी लुक की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरूआत: स्पष्टता और आत्मविश्वास को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

मुंबई : भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से अपनी कप्तानी की शुरूआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज्यादा खेलते हो, उतना ज्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे अपना 100% दे पाते हैं। गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ-साफ बात करने

की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा। भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है।

इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है – अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरूआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं। गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा,हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा। गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं। गंभीर बोले - '20 विकेट लेने वाले गेंदबाज ही मैच जिताते हैं" हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, ह्लकेवल पिच की स्थिति नहीं, इंग्लैंड में ऊपर के हालात भी अहम होते हैं। टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेने जरूरी होते हैं। चाहे बैटर 1000 रन बना लें, पर अगर 20 विकेट नहीं लिए, तो जीत मुश्किल है। इंग्लैंड की आक्रामक टेस्ट शैली ह्यबाजबॉलह्न को लेकर गिल ने कहा, वे एक खास अंदाज में खेलते हैं। लेकिन यह हमारे लिए एक मौका है। अगर हम अपने प्लान और एग्जीक्यूशन में प्रोऐक्टिव रहे, तो उन्हें दबाव में डाल सकते हैं। एकदिनी और टी 20 में भारत अभी भी नंबर 1 टीम है, लेकिन टेस्ट में बदलाव का दौर है। गिल के सामने मौका है न सिर्फ खुद को कप्तान के तौर पर साबित करने का, बल्कि टीम को फिर से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में लाने का भी।

न्यूज ब्रीफ

फाइलेरिया ग्रसित मरीजों के लिए देखभाल किट का वितरण

गुमला : गुमला जिला प्रशासन द्वारा संचालित जनस्वास्थ्य संरक्षण अभियान के तहत आज घाघरा प्रखंड के सारंगों पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में फाइलेरिया से पीड़ित लाभार्थियों के बीच विशेष देखभाल किट का वितरण किया गया। यह आयोजन पंचायत प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग तथा पीरामल फाउंडेशन के समन्वित सहयोग से संपन्न हुआ।

फाइलेरिया रोग से ग्रसित व्यक्तियों की स्वास्थ्य चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए उपायुक्त गुमला के निर्देश पर इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई, जिसका उद्देश्य रोगियों को आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराना एवं उन्हें सही देखभाल की जानकारी देना था। वितरित किट में साफ-सफाई एवं घरेलू देखभाल से संबंधित आवश्यक वस्तुएं सम्मिलित थीं, जो रोग प्रबंधन में सहायक होंगी।

इस कार्य में पीरामल फाउंडेशन की तकनीकी टीम एवं वालंटियरों का सक्रिय योगदान सराहनीय रहा, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम के समन्वय एवं लाभार्थियों से संवाद में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान पंचायत मुखिया राजेश बराईक द्वारा स्थानीय भाषा में लाभार्थियों को किट के उपयोग, स्वच्छता के महत्व तथा रोग प्रबंधन की विधियों की सहज और प्रभावशाली जानकारी दी गई। मौके पर स्वास्थ्य विभाग से प्राथमिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता संजय लोहार, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आवांजलिन कुजुर, सहायक नर्सिंग दाई निभा टोप्पो, कौशल्या कुमारी एवं सहिया बहनों झ पुष्पा देवी, सुनीता देवी और जगमनी देवी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आयोजित शिवगंगा आरती में शामिल हुए उपायुक्त

बिनय मिश्रा : जिले में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 5 जून को शिवगंगा सरोवर में आयोजित भव्य संध्या आरती में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा शामिल हुए। इस दौरान आचार्य एवं 5 पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिवगंगा महाआरती की गयी। साथ ही संध्या आरती में मंत्रोच्चार की गूंज और श्रद्धालुओं की श्रद्धा का अटूट संगम देखने को मिला। इसके अलावा आयोजित संध्या आरती को देखने हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगो को शिवगंगा के चारों ओर खड़े होकर शिवगंगा आरती के साक्षी बने। इसके अलावा मौके पर उपस्थित उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि - नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत शिवगंगा सरोवर के संरक्षण, सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

खूंटी की उपायुक्त ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

ज्योति पाठक : खूंटी की नव पदस्थापित उपायुक्त आर रॉनिटा ने मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंट किया और उन्हें शुभकामना दी। विदित हो कि 14 वें उपायुक्त के रूप में श्रीमती आर रॉनिटा का तबादला 26 मई को खूंटी में हुआ और 27 मई को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। श्रीमती रॉनिटा भारतीय प्रशासनिक सेवा 2015 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। इससे पूर्व वे सिमडेगा जिला की उपायुक्त, कोडरमा की उप विकासआयुक्त तथा पश्चिम सिंहभूम चाईबासा की अनुमंडल पदाधिकारी भी रह चुकी हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एस ने चलाया विशेष कार्यक्रम

सिमडेगा : पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में आज 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज सिमडेगा पुलिस के द्वारा भी पुलिस केन्द्र सिमडेगा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, महोदय सिमडेगा, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा, पुलिस उपाधीक्षक(मु0), सिमडेगा, सार्जेन्ट मेजर सिमडेगा, अंचल पुलिस निरीक्षक सिमडेगा, अंचल पुलिस निरीक्षक बानो, के द्वारा पुलिस केन्द्र के नवनिर्मित पार्क में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस कर्मियों एवं लोगों को पर्यावरण संरक्षण हेतु, पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने, जंगल में आग न लगाने, प्लास्टिक सामानों को प्रयोग न कर प्लास्टिक के विकल्प को अपनाने की अपील किए। मौके पर पुलिस अधीक्षक, महोदय सिमडेगा, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा, पुलिस उपाधीक्षक(मु0), सिमडेगा, सार्जेन्ट मेजर सिमडेगा, अंचल पुलिस निरीक्षक सिमडेगा/बानो, अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने की बिजली विभाग के कार्यों की समीक्षा

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को उनके कार्यालय कक्ष में विद्युत कार्य एवं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गयी।बैठक में जिले में चल रहे आरडीएसएस एवं मुख्यमंत्री ऊर्जा योजना (एमयूजे) के कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि योजनाओं से संबंधित कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने आरडीएसएस के तहत कार्य कर रही टेक्नो कंपनी एवं मुख्यमंत्री ऊर्जा योजना में कार्यरत एजेंसी की धीमी कार्य प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। विशेष परिस्थिति में यदि विद्युत आपूर्ति बाधित होती है।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उप विकास आयुक्त के सभागार में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध दिनांक 10 जून से 26 जून तक प्रस्तावित राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम की कार्ययोजना तैयार करने हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक की शुरूआत में उप विकास आयुक्त ने जिले के सभी बीडीओ एवं सीओ तथा संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया कि दिनांक 10 जून से 26 जून तक जिला, प्रखंड तथा पंचायत स्तर पर निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य नशामुक्ति हेतु युवाओं एवं आमजनों को जागरूक करना है।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम एवं पंचायत स्तर पर नशा के विरुद्ध चौपाल का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही प्रखंड तथा जिला मुख्यालय स्तर तथा स्कूलों में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा।

जिला मुख्यालय से नशे के विरुद्ध जनजागरण हेतु प्रभारी मंत्री द्वार प्रचार वाहन को रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही प्रखंड स्तर पर क्रॉस कंट्री दौड़ का भी आयोजन किया जाना है। जिससे नशे के खिलाफ लोगों विशेषकर युवाओं को जागरूक किया जा सकेगा। दिनांक 10 जून को कार्यक्रम की शुरूआत नशे के विरुद्ध शपथ ग्रहण कार्यक्रम से की जाएगी।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त

ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम हेतु मास्टर ट्रेनरों को जिला स्तर पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के उपरांत मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रखंड तथा पंचायत स्तर पर आमजनों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।

उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने कहा कि इस जागरूकता कार्यक्रम का मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार भी किया जाए। जिससे वृहद स्तर पर लोगों को मादक पदार्थों के कुप्रभाव की जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध इस जागरूकता अभियान हेतु जिले से एक स्पोर्ट्स यूथ आइकन भी बनाया जाएगा।

इस बैठक में पुलिस उपाधीक्षक, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, घाघरा, अंचल अधिकारी, बिशुनपुर, अंचल अधिकारी, चैनपुर, तंबाकू निषेध इकाई , सिविल सर्जन कार्यालय, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पालकोट, प्रखंड विकास पदाधिकारी, रायडीह एवं अन्य कार्यालय कर्मीगण उपस्थित थे।

जिले के शांति व्यवस्था कभी नहीं बिगड़े इसके लिए सबों का सहयोग जरुरी : डीसी

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : शहर के इंडोर स्टेडियम में ईद-उल-जुहा(बकरीद) के निमित्त उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा जिले के शांति व्यवस्था कभी नहीं बिगड़े इसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है।किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना नहीं हो इसे सुनिश्चित की जाय।बीडीओ किसी भी प्रकार के घटना,दुर्घटना पर नजर रखें एवं विशेष परिस्थिति में आवश्यकता अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित करें।कहा कि ड्रोन के माध्यम से विधि व्यवस्था पर नजर रखी जायेगी।विधि व्यवस्था बिगाड़ने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता है लेकिन एक सकारात्मक पहल से समस्याओं को कम जरूर किया जा सकता है।जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में कार्य किया जा रहा है।कहा कि दुमका जिला ने हमेशा से ही शांति व्यवस्था की एक मिशाल पेश की है,विश्वास है जिले के लोग इसे बरकरार रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें,बिना जांच किये किसी भी सोशल मीडिया के संदेश को फारवर्ड नहीं करें।कहा कि सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन की नजर रहेगी।अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।पुलिस प्रशासन की हर गतिविधि पर विशेष नजर रहेगी।जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे।आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले पर नजर रखी जायेगी।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार सहित सभी थाना प्रभारी,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी, शांति समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

दुमका जिला को बेहतर और तेजी के साथ विकास कार्यों को गति देने में जुटे उपायुक्त

ज्योति पाठक

झारखंड की उपराजधानी दुमका के नव पदस्थापित 170 वें उपायुक्त के रूप में योगदान देने वाले अभिजीत सिन्हा दुमका जिला को भरपूर विकास गति देने में जुट गए हैं गौरतलब हो कि श्री सिन्हा पूर्व में दुमका जिला के उप विकास आयुक्त थे और राज्य सरकार ने उन्हें पदौन्नति देते हुए इसी जिला का उपायुक्त बनाया। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2018 बैच के आईएएस अधिकारी श्री सिन्हा 28 मई को तत्कालीन उपायुक्त ए डोड्डे से अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने कहा कि जिला में पूर्वत की भांति जिला को भरपूर विकास गति दी जाएगी, सरकारी योजनाओं को धरातल पर पूर्ण रूप से उतारा जाएगा, जनसमस्याओं का निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिला को बेहतर जिला बनाना उनका दायित्व भी है।

विदित हो कि श्री सिन्हा की प्रथम पदस्थापना स्थल अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर रही इसके पश्चात वे देवघर के अनुमंडल पदाधिकारी बनाए गए, शिक्षा विभाग में भी वे पदस्थापित रहे हैं उसके पश्चात श्री सिन्हा डीडीसी दुमका रहे । वर्तमान समय में श्री सिन्हा दुमका के उपायुक्त के रूप में पदस्थापित हैं।

अर्पिता समद बनी सिमडेगा की तीसरी टॉपर

संत दोमनिक इंटर कॉलेज की छात्रा ने विपरीत परिस्थितियों को दी चुनौती, ग्रामीण छात्राओं के लिए बनी मिसाल

सिमडेगा : जिले लचडागढ़ के संत दोमनिक इंटर कॉलेज से पढ़ाई कर रही अर्पिता समद ने इंटरमीडिएट कला संकाय में 85.8 प्रतिशत अंक लाकर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त कि है। उनकी यह सफलता केवल एक परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और साहस की कहानी है। ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अर्पिता ने यह साबित कर दिखाया कि लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अर्पिता जलडेगा प्रखंड के कारीमाटी गांव की रहने वाली हैं। उनके परिवार की जीविका खेती और पशुपालन पर आधारित है। उनके पिता ने बताया कि पढ़ाई के लिए उन्होंने कभी हार नहीं मानी, और हर संभव सहयोग देने की कोशिश की। बेटी की सफलता पर गर्व करते हुए उन्होंने कहा, ह्लहमारा सपना था कि बच्चे पढ़-लिखकर कुछ बनें। आज अर्पिता ने वह सपना पूरा कर दिखाया।ह्व अर्पिता का सपना है कि वह एक दिन प्रोफेसर बने और देश की सेवा करे।

संत दोमनिक इंटर कॉलेज ने इस वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दिया है। कला संकाय से कुल 428 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 385 छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी और 43 द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। मात्र दो विद्यार्थी असफल रहे। कॉलेज के दो अन्य छात्र भी जिले की टॉप लिस्ट में शामिल हुए झ रोहित सोरेंग ने 83.6 प्रतिशत अंक लाकर पांचवां और रावेल डांग ने 82 प्रतिशत के साथ जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया।

वाणिज्य संकाय में भी कॉलेज का प्रदर्शन सराहनीय रहा। कुल 91 छात्रों में से 57 प्रथम श्रेणी और 33 द्वितीय श्रेणी में पास हुए, केवल एक विद्यार्थी असफल रहा। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

कॉलेज के फादर क्लेमेंट लकड़ा ने परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ह्लहम न केवल शैक्षणिक बल्कि नैतिक और अनुशासित शिक्षा देने में विश्वास रखते हैं। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को समग्र रूप से विकसित करना है।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले वर्षों में कॉलेज के ढांचे और शैक्षणिक गुणवत्ता को और मजबूत करने की योजना है। कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल अल्बानुष और समर्पित शिक्षक टीम झ शांति केरकेट्टा, मेरी मनोरमा सोरेन, सुशीला कुल्लू, कांति रोजलीन टेटे, जोसफिन डुंगडुंग, संजय कुरान, रश्मि एक्का, फिलिप बारला आदि झ लगातार विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनकी मेहनत और विद्यार्थियों की लगन ने आज कॉलेज को जिले के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शामिल कर दिया है।

तीन प्रखंड के वासियों का नियमित बिजली पाने का सपना कब होगा पूरा: दिलीप तिर्की

सिमडेगा : इंटक एवं आदिवासी कांग्रेस के नेता दिलीप तिर्की ने जिले में बार बार होने वाले बिजली की समस्याओं के कारण सिमडेगा के कुरडेग प्रखंड में बन रहा हेठमा पावर ग्रीड जायजा लिया। कहा निर्माण में हो रहा विलम्ब दो प्रखंड के बड़ी आबादी को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के सपनो में ग्रहण लगा रहा है।

सिमडेगा के कुरडेग प्रखंड में निमार्णाधीन हेठमा पावर ग्रीड को बीरबल की खिचड़ी बना दिया है संवेदक ने। इस हेठमा पावर ग्रीड का निर्माण झारखंड ऊर्जा संचरण लिमिटेड द्वारा एसपीएनएल इंफ्रा लिमिटेड के माध्यम से मई 2021 में शुरू हुआ था। जिसे 24 महीने में पूर्ण कर लेने का समय निर्धारित किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य शुरू होने के आज 48 महीने के बाद भी ग्रीड का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है। सिमडेगा के सुदूर कुरडेग और केरसई प्रखंड को 60 किलोमीटर दूर बीरू ग्रीड से बिजली की सप्लाई दी जा रही है। जिस कारण पवार ब्रेक डाउन की समस्या इन तीनों प्रखंडों में लगातार बनी रहती है। कुरडेग और केरसई प्रखंड के पवार ब्रेक डाउन की इसी समस्या को निजाद दिलाने के लिए हेठमा पावर ग्रीड निर्माण कार्य शुरू किया गया था। लेकिन पांच वर्ष के बाद भी इस ग्रीड का निर्माण कार्य अधूरा रहना विभाग और संवेदक की लापरवाही दर्शा रहा है। जिसका दंश कुरडेग, सिमड़ेगा ब्लॉक और केरसई वासियों को झेलना पड़ रहा है। आदिवासी कांग्रेस नेता दिलीप तिर्की यह भी कहा कि इस निमार्णाधीन पवार ग्रीड के विषय मे सूबे के मुखिया हेमंत सोरेन से इस निर्माण कार्य को जल्द पूरा करवाने की मांग करेंगे।

सिमडेगा विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता मनीष चंद्र पूर्ति से बात करने पर उन्होंने कहा कि हेठमा पवार ग्रीड पूर्ण होने से ग्रामीणों को होने से काफी फायदे हैं। लेकिन निर्माण में विलंब के विषय मे पूछा गया तो कार्यपालक अभियंता ने कहा कि 06 महीने में हेठमा निर्माण पूर्ण किया जाएगा। लेकिन दिलीप ने कहा कि अब 4 वर्ष बाद भी सिर्फ पचास प्रतिशत ही काम दिखाई देती है। तो देखना यह है कि इसे कैसे संभव बनाया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में 89250 लाभुकों को मिला लाभ

मेट्रो रेज संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी -सह- सामाजिक सुरक्षा विभाग की प्रभारी पदाधिकारी सुश्री आशा मैक्सिमा लकड़ा ने बताया कि जिले में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कुल 65,282 लाभुकों को नियमित रूप से पेंशन प्रदान की जा रही है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना के तहत सिमडेगा जिले में कुल 89,250 लाभुकों को लाभान्वित किया गया है। अप्रैल माह की सम्मान राशि के रूप में प्रति लाभुक 2,500 रुपये की दर से कुल 22 करोड़ 31 लाख 25 हजार रुपये की राशि आधार आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित की गई है।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि वृद्ध, असहाय एवं दिव्यांगजन के लिए पेंशन की राशि अत्यंत सहायक होती है, अतः सभी पात्र लाभुकों को समय पर योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

प्रभारी पदाधिकारी ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत अप्रैल माह की राशि का सफलतापूर्वक भुगतान कर लिया गया है। सरकार की यह पहल जरूरतमंदों के लिए सम्मानजनक जीवन यापन में सहायक सिद्ध हो रही है।

इसके अलावे पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बैठक के दौरान विभाग अंतर्गत संचालित 15 वें वित्त आयोग के तहत क्रियान्वित योजनाओं, ज्ञान केंद्र, भारत नेट, आदि की जानकारी उपायुक्त को दी।

उपायुक्त ने जिला परिषद अंतर्गत जिले में बने बांसजोर एवं केरसई प्रखंड बस स्टैंड निर्माण कार्य पूर्ण है उसका यथाशीघ्र उद्घाटन करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित 80 ज्ञान केंद्र की समीक्षा की। तथा कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार दोराईबुरु, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री दयानंद कार्जी, जिला नियोजन पदाधिकारी -सह- सामाजिक सुरक्षा प्रभारी पदाधिकारी सुश्री आशा मैक्सिमा लकड़ा सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।